

दा. कुशलीन जनाम साहबजी आरि पु. १४१/२०२०

२१.७.२०२०

फावकी वेका दुकी ककील वही उपरिधत नही।  
ककील वही व जाही रुकपै को काट काट भावाज  
सगरी छिद भी हासिए नही। वाद वही अइस  
पैली अ अयत हाजी में जारीज दिया जातई।  
मसावनी नम्य से कम की जाकर वाउरकीर  
वकील जाहा दाखिल हफतर हो।  
० "

